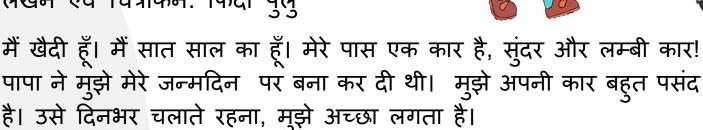


मेरी कार

लेखन एवं चित्रांकन: फिदी प्ल्



ड्रम्म... मैं यहाँ जाता हूँ, ड्रम्म... मैं वहाँ जाता हूँ। मैं बिना अपनी कार के कहीं नहीं जाता। मैं अपनी कार लेकर रिश्तेदारों से मिलने जाता हूँ, स्कूल में मेरे दोस्त मेरी कार देखकर ललचाते हैं।

मुझे दादी माँ से बहुत प्यार है और वह मुझे कार चलाते देखकर खुश होती हैं। मैं अपनी कार से घर के चारों ओर घूम सकता हूँ। अपनी कार में बैठ कर में धरती का चक्कर लगा सकता हूँ। मैं अपनी कार से सूरज, चंदा और तारों के भी चक्कर लगा सकता हूँ।

मेरे छोटे भाई को मेरी कार की सवारी बह्त पसंद है। माँ हमें ऐसा करने से मना करती हैं, लेकिन हम कहाँ स्नते हैं! अब मेरे हाथ से मेरी कार गई... और मेरे भाई के मुँह से उसका दाँत! लेकिन, हम अब भी घूमते रहते हैं... डूम्म... भाई मेरी पीठ पर और मैं हवा में!

समाप्त

Click below to follow us:







